

3) सतत व्हीलन :- जैसी व्हीलनें लंबे उत्पन्न होती हैं जब पिटका लौहा, मृदु इत्यादि लौहा तथा टेन्गुमीनिपम जैसे लंबे पदार्थों का अनुक्रमिक अन्तर्गत मुराधिक किया जाता है। व्हीलन वू ऑजार के अन्तराफलक पर होने वाले वर्षण को ऑजार फलक पर उपयुक्त पॉलिश करने और पपास मात्र में शीतलक का प्रयोग करने कम किया जा सकता है। हीक ऑजारों का प्रयोग करने से भी उच्च वर्षण कम हो जाता है। संक्षेप में, सतत व्हीलन की उत्पत्ति का मुख्य आधार ऑजार के आगे वाली धातु का बहुत विरूपण होना है। अला मशीन के दौरान लंबे पदार्थों का सतत प्लास्टिक विरूपण होने से धातुस्वरूप अपेक्षाकृत अधिक लंबी सतत व्हीलन, ऑजार की धातु के अंदर अग्रत होती है।

प्रेस ड्राई :- प्रेस पर सामान्यतः प्रयोग किए जाने वाले ऑजार में तथा ड्राई होते हैं। प्रेस तथा ड्राई दोनों ही आग एक इकाई के रूप में कार्य करते हैं। उन दोनों ही भागों की संयुक्त इकाई को ड्राई समुच्चय कहा जाता है। ड्राई समुच्चय का नर भाग जी प्रेस के समूह से जुड़ा रहता है, प्रेस कहलाता है। ड्राई इसे संयुक्त इकाई का भाग भाग होता है जिसे सामान्यतः प्रेस के संस्तर पर दृष्टापूर्वी जकड़ा जाता है। ड्राई में एक छिद्र होता है जो प्रेस के साथ पूर्ण संरक्षण में होता है।